RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

वर्ष- 12 अंक - 4

इंदौर प्रति मंगलवार , 22 अप्रैल 2025 से 28 अप्रैल 2025 तक पृष्ठ - 8 मूल्य - 2 रू.

मुर्शिदाबाद से लेकर अवमानना तक हुई 'सुप्रीम' सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या हम राष्ट्रपति को आदेश दें

केंद्रीय बलों की तैनाती से इनकार,वकील के दावों पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका सहि अवमानना के मामले पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले। इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें। हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं। जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा था कि कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। वहीं, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले थे कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकते। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं।

दूसरी ओर, जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में मुर्शिदाबाद हिंसा से जुड़ी दूसरी याचिका पर सुनवाई हुई। इसमें वकील ने मुर्शिदाबाद हिंसा के चलते लोगों के पलायन की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने वकील से सवाल किया कि आपकी इस सूचना का सूत्र क्या है, क्या आपने खुद जांच की थी। इस पर वकील ने जवाब दिया- मीडिया रिपोर्ट्स।

पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन

वेटिकन ने की आधिकारिक घोषणा,ईस्टर के एक दिन बाद ली अंतिम सांस

वेटिकन सिटी (एजेंसी)। पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया है। वेटिकन के कैमर्लेंगो कार्डिनल केविन फेरेल ने बताया है कि पोप फ्रांसिस ने रोम के समय के हिसाब से सोमवार सुबह 7.35 बजे अंतिम सांस ली। वह 88 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। फेरेल ने अपने बयान में कहा कि पोप फ्रांसिस का पूरा जीवन गॉड और चर्च की सेवा में समर्पित रहा। उन्होंने लोगों को हमेशा प्रेम और साहस के साथ जीने का पाठ पढ़ाया। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद अब नए पोप का चुनाव किया जाएगा। कार्डिनल मिलकर नए पोप का चुनाव करेंगे। पोप फ्रांसिस का जन्म 17 दिसंबर 1936 को अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था। उनका असली नाम जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो था। उन्होंने 13 मार्च 2013 को पोप का पद संभाला था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का सर्वोच्च धर्म गुरु का पद है। रोम के बिशप और वैटिकन के राज्याध्यक्ष को पोप कहा जाता है। पोप फ्रांसिस लैटिन अमेरिका से आने वाले पहले पोप थे। पोप फ्रांसिस ने अपने कार्यकाल में चर्च में सुधारों को बढ़ावा दिया। उनको अपने मानवीय क्षेत्र में किए कामों के लिए भी जाना गया। पोप फ्रांसिस ईस्टर रविवार के अवसर पर सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों लोगों की भीड़ के सामने कुछ समय के लिए आए थे और सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

जनसेवा का प्रभावी माध्यम है सिविल सेवा : मुख्यमंत्री

● सीएम ने नेशनल सिविल सर्विस-डे पर अधिकारियों को किया सम्मानित ● पुरस्कार में लोकसेवकों को प्रदान किया 1 लाख का चेक और प्रशस्ति-पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिविल सेवा सिर्फ एक पेशा नहीं, यह जनसेवा का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे अपने अधिकारों का निःसंदेह सदुपयोग करें, लेकिन अपने कर्तव्यों से कदापि विमुख न हों। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन एक वृहद विषय है। इसका मूल मंत्र है - लोगों की हर संभव तरीके से सेवा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस (नेशनल सिविल सर्विस डे) के अवसर पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी सिविल सेवकों को लोक सेवा दिवस की बधाई दी और सभी से अपने उत्तरदायित्वों के प्रति संकल्पबद्ध रहने का आहवान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक सेवा एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा, समर्पण, मनोयोग के साथ निभाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के चयनित 16 सिविल सेवकों (अधिकारियों) को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी अवार्डियों को उनके द्वारा किए गए नवाचारों के लिए बधाई देकर एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक कुशल सिविल सेवक वह होता है, जो न केवल शासन के नियमों, उपनियमों का पालन करे, बल्कि पूरी संवेदनशीलता बरते।

करप्शन फ्री और गुड गवर्नेंस के लिए कार्य करें सभी लोकसेवक: सीएस

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि हर साल 21 अप्रैल अधिकारी/कर्मचारियों के लिए आत्ममंथन करने का दिन है। लोक सेवकों को सोचना चाहिए कि सालभर में उन्होंने जनसेवा और प्रशासन की मजबूती के लिए क्या अच्छा किया और इसके आगे क्या बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वास दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत मिशन 2047 के मिशन को पूरा करने में प्रदेश की भूमिका और विकसित मध्यप्रदेश के लिए सभी लोकसेवक कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रदेश के सभी अधिकारी ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के लिए मिशन मोड में कार्य कर रहे हैं। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि न्यू इंडिया का सपना साकार करने में अनुभवी अधिकारियों के साथ युवा अफसरों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है।

16 लोकसेवकों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वित्त वर्ष 2022-23 तथा 2023-24 के लिए 16 लोक सेवकों में क्रमश : माधव प्रसाद पटेल (माध्यमिक शिक्षक), श्रीमती अदिति गर्ग (तत्कालीन सीईओ आयुष्मान भारत निरामयम योजना), डॉ. इंदिरा दांगी (शिक्षक), श्रीमती शारदा डुडवे (माध्यमिक शिक्षक) चंद्रशेखर आजाद नगर, आलोक पौराणिक प्राथमिक शिक्षक पथरिया जिला दमोह, चंद्रमोहन ठाकुर तत्कालीन प्रबंध निदेशक भवन विकास निगम, डॉ. यशपाल सिंह प्राचार्य आवासीय विद्यालय भोपाल, संजय जोशी विद्युत वितरण कंपनी,अमित तोमर पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर,ऋषव गुप्ता पूर्व कलेक्टर देवास, गणेश शंकर मिश्रा विद्युत वितरण कंपनी, दिव्यांक सिंह तत्कालीन सीईओ स्मार्ट सिटी परियोजना शामिल हैं।

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे से मिलने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सेंटल जेल पहुंचे

इंदौर। शनिवार रात टैंकर हटाने के मामले में हुई दो पक्षों की मारपीट के मामले में जेल भेजे गए कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे से मिलने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सेंटल जेल पहुंचे और चौकसे से मुलाकात कर पूरी कांग्रेस पार्टी के साथ होने का

भरोसा दिलाया और कहा कि राजनैतिक द्वेषता के चलते चौकसे पर मामला दर्ज किया गया है। इंदौर का सेंट्रल जेल पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कांग्रेस नेताओं ने जेल में बंद चिंटू चौक से मुलाकात की।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

हरि के जन को मंदिर में प्रवेश से रोका

सबरी के वंशज को राम के दर्शन से रोका

आदित्य शर्मा
8224951278

सत्तर वर्षों बाद दलित परिवार ने किया मंदिर में प्रवेश दलित नेता एवं राष्ट्रीय बलाई महासंघ के अध्यक्ष मनोज परमार द्वारा नव जोड़े को करवाए श्री राम के दर्शन एवं कहा कि हम भी हिंदू हे हम भी सनातनी है। इस रूढ़िवादी परंपरा एवं घटिया सोच को तोड़ना ही मेरा लक्ष्य हे एवं इसके लिए में निरंतर प्रयास करता रहूंगा कल अंबेडकर जयंती पर बेटमा के एक दलित नवविवाहित जोड़े को राम मंदिर दर्शन से रोका गया था दलित परिवार ने मंदिर के समीप ही पीर बाबा को ढोकं दें के परंपरा को आगे बढ़ाया।

जैसे ही यह विडियो वायरल हुईं तो इस मामले ने तूल पकड़ा आज दलित समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार आज पीड़ित परिवार के पास पहुंचे जहां उनके द्वारा फिर एक बार शादी की धूमधाम हुईं दुल्हा-दुल्हन परिवार सहित वह मंदिर पहुंचे और पुजारी से निवेदन किया कि हम भी सनातनी हिन्दू है फिर हम से भेदभाव क्यों दुल्हा-दुल्हन परिवार सहित राम भजन-कीर्तन करते हुए मंदिर पहुंचे विधीविधान से सभी रिती रिवाज को सम्पूर्ण किया वहीं मंदिर मे सभी ने हनुमान चलीसा का पाठ किया एक बार फिर ढ़ोल नगाड़े बज उठे जिस पर दुल्हा-दुल्हन परिवार सहित सभी लोग ठूमके लगा कर अपनी खुशी का इजहार करते नज़र आए दुल्हे अंकीत सोलंकी और परिवार ने दलित समाज राष्ट्रीय नेता मनोज परमार और सभी लोगों धन्यवाद कहा आप के कारण हम मंदिर के दर्शन कर सकें।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में अनियमितता पाये जाने पर महिगांव के विक्रेता पर करायी एफआईआर

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागली के निर्देशन में सहायक आपूर्ति अधिकारी बागली अभिषेक मोर के द्वारा शा.उचित मूल्य दुकान महिगांव की जांच की गई , जिसमें दुकान के विक्रेता बलवंत सिंघाड़े पिता नारायण द्वारा दुकान संचालन में अनियमितता करना पाए जाने पर , हितग्राहियों को पात्रता अनुसार राशन वितरण न करने एवं दुकान के भौतिक सत्यापन में गेहूं 103.89 क्विटल , चावल 107.29 क्विटल , शक्कर 0.47 क्विटल , नमक 4.22 क्विटल और 2.80 क्विटल मूंग स्टॉक में कम पाए जाने के कारण म.प्र. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2015 के प्रावधानों का उल्लंघन होने से शा.उचित मूल्य दुकान महिगांव के विक्रेता बलवंत सिंघाड़े पिता नारायण के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत पुलिस थाना उदयनगर में सहायक आपूर्ति अधिकारी बागली के द्वारा प्राथमिकी दर्ज करायी गई।

कैंपस ने खंडवा में नया स्टोर खोलकर मध्य प्रदेश में अपनी रिटेल उपस्थिति का विस्तार किया

860 वर्ग फीट के इस नए स्टोर में कैंपस के लेटेस्ट और ट्रेंडिंग फुटवियर का शानदार कलेक्शन पेश किया गया है

ग्राहक चुनिंदा वस्तुओं पर फ्लैट 40% छूट के रोमांचक ऑफर का लाभ उठा सकते हैं

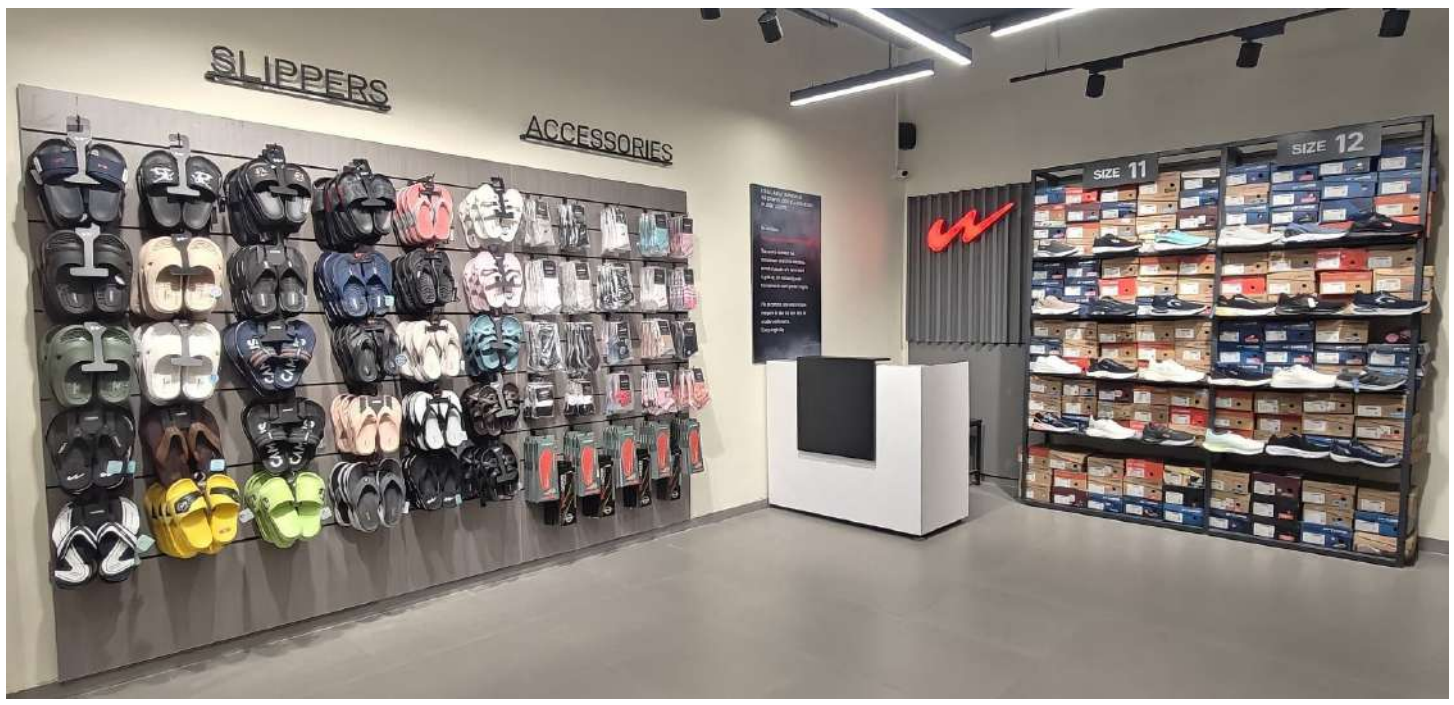

खंडवा : भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स एवं एथलेज़र फुटवियर ब्राण्ड्स में से एक कैंपस ने खंडवा के द्वारका ट्रेड सेंटर में एक शानदार नया स्टोर खोला है। यह कदम ब्रांड की अपने ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने और उन्हें एक बेहतर और रोमांचक शॉपिंग अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 860 वर्ग फीट में फैला हुआ यह स्टोर कैंपस के स्टाइलिश और आरामदायक फुटवियर का लेटेस्ट कलेक्शन शामिल हैं। यहां पर पुरुषों और महिलाओं के लिए स्नीकर्स, परफॉर्मेंस शूज और वार्नर ब्रदर्स के लिमिटेड एडिशन जैसे बैटमैन और सुपरमैन से प्रेरित डिज़ाइन भी उपलब्ध हैं। ग्राहक लॉन्च के मौके पर आकर्षक ऑफ़र जैसे 'चुनिंदा वस्तुओं पर फ्लैट 40% छूट' का लाभ उठा सकते हैं। यह एक बेहतरीन मौका है, जहां ग्राहक कैंपस के हाई-फैशन और ट्रेंडिंग फुटवियर को शानदार कीमत पर पा सकते हैं। इस अवसर पर श्री निखिल अग्रवाल, सीईओ, कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड ने कहा, ''खंडवा में हमारा नया स्टोर खोलना हमारे लिए हमारे ग्राहकों तक पहुंचने, अपना ग्राहक आधार बढ़ाने और उन्हें एक आसान और शानदार शॉपिंग अनुभव देने का हमारा प्रयास है। कैंपस की ओर लोगों का बढ़ता प्यार और आकर्षण देखकर, हम भारत के पसंदीदा स्पोर्ट्स और एथलीजर फुटवियर ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए विकास योजनाओं का लगातार और शीघ्रता से विस्तार कर रहे हैं। यह नया स्टोर हमारे ओमनी-चैनल अनुभव को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो हमें हमारे प्रिय ग्राहकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।" इस स्टोर के खुलने के साथ, कैंपस के एक्सक्लूसिव रिटेल आउटलेट्स की संख्या अब देशभर में 296 हो गई है, जो ब्रांड की तेज़ और रणनीतिक वृद्धि को दर्शाता है। हाल के प्रमुख बाजारों में खोले गए स्टोर से ब्रांड की पहुंच को काफी बढ़ावा मिला है और अधिक ग्राहकों तक आसानी से पहुंचने की क्षमता मिली है। जिस प्रकार कैंपस अपने स्थान को ट्रेंड-सेवेन ग्राहकों के लिए स्टाइल और उपयोगिता दोनों के लिहाज से पसंदीदा गंतव्य बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, उसी प्रकार यह युवाओं को उनके फैशन विकल्पों के जरिए अपनी व्यक्तित्व को व्यक्त करने के लिए प्रेरित कर रहा है। उपभोक्ता सातों दिन स्टोर पर विज़िट कर सकते हैं। कैंपस शूज़ www.campusshoes.com तथा सभी ई-कॉमर्स फैशन एवं मार्केट प्लेसेज़ पर भी उपलब्ध है। स्टोर का पताः कैंपस स्टोर, ग्राउंड फ्लोर शॉप नंबर 02, द्वारका ट्रेड सेंटर, मैन सिंग का तिराहा, पंधाना रोड, खंडवा, एमपी - 450001

बाबासाहेब अंबेडकर के योगदान एवं वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा

जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर आगामी कार्यक्रमों जिसमें डॉ भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत संविधान और संविधान में पूजनीय बाबासाहेब अंबेडकर के योगदान एवं वक्फ सुधार जन जागरण अभियान पर विधानसभा स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने महिला मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं अल्पसंख्यक मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता श्री आलोक दुबे नगर महामंत्री श्री सुधीर कोल्हे, श्री हरप्रीत सिंह बक्शी, श्री भारत पारख, श्री घनश्याम शेर,महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती कंचन गिदवानी उपाध्यक्ष श्रीमती वृंदा गौड़, पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर अध्यक्ष श्री रघु यादव, पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर अध्यक्ष श्री शेख असलम मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट नगरीय जोन- 2 के अंतर्गत पुलिस थानों पर आवेदकों की सुनवाई हेतु, बेहतर पुलिस प्रबंधन की शुरुआत

इंदौर - श्रीमान पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के द्वारा पुलिस थानो पर आमजन के आने एवं शिकायत की सुनवाई हेतु बेहतर प्रबंधन हो इस बाबत निर्देश दिए गए है।

उक्त निर्देशों के पालन में पुलिस उपायुक्त नगरीय जोन 2 श्री अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा जोन के अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस थानों में आवेदक को की सुनवाई हेतु एक नई व्यवस्था स्थापित की गई। जिसमें सभी थानों के अंतर्गत ड्यूटी अधिकारी का पृथक से केबिन तैयार किया गया है, जिससे आवेदक अपनी शिकायत सीधे ड्यूटी अधिकारी को दे सके। इसके अलावा आवेदक की मुलभूत सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए बैठने एवं पानी आदि का इंतजाम किया गया है। ड्यूटी अधिकारियों को सुनवाई के लिए SOP तैयार की गई है ताकि पुलिस अधिकारी आने वाले आवेदक को संवेदनशीलता से सुनकर कर शिकायत पर विधि अनुसार कार्यवाही करें। जिसके लिए नगरीय जोन 2 के पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। थाने पर आने वाले फरियादियों के बैठने के लिये उचित व्यवस्था का इंतजाम किया गया। जिससे फरिरयादियों को ड्यूटी अधिकारी से मिलने एवं अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिये परेशान न होना पडे।

यातायात सुगम बनाने हेतु 60 फीट रोड पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

अनिल चौधरी

इंदौर दिनांक 21 अप्रैल 2025। आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार शहर के यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं नागरिकों को जाम की समस्या से निजात दिलाने हेतु नगर निगम द्वारा 60 फीट रोड पर व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। झोनल अधिकारी दीपक गरगटे ने बताया कि यह कार्रवाई आयुक्त शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य फुटपाथ और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमणों को हटाकर यातायात को निर्बाध बनाना है। इस अभियान के

तहत सड़क किनारे तथा फुटपाथ पर सामान रखकर अवैध रूप से व्यापार करने वाले, ओटले, टीन शेड, दीवारें, आदि निर्माण कर अतिक्रमण करने वाले कुल 200 से अधिक दुकानों एवं मकानों के अतिक्रमणों को हटाया गया। इस कार्रवाई में नगर निगम की 5 रिमूवल टीमों एवं 5 जेसीबी मशीनों की मदद ली गई। झोनल अधिकारी ने यह भी बताया कि यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा तथा आम जनता से अपील की जाती है कि वे सड़क, फुटपाथ या सार्वजनिक स्थानों पर अवैध अतिक्रमण न करें अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

यातायात पुलिस का "सघन जागरूकता अभियान" वाहन चालकों की सराहा भी, उल्लंघन करने पर कार्यवाही भी

नम्बर प्लेट, ब्लैक फिल्म, हूटर, मोडिफाईड सायलेंसर, रॉंग साइड वाहन चलाने आदि नियमो का उल्लंघन के बने चालान

अभियान से प्रेरित होकर कई वाहन चालक जिम्मेदारी पूर्वक नियमों का पालन करने लगे हैं।

अनिल चौधरी

इंदौर शहर के सुगम, सुरक्षित, सुखद यातायात हेतु नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक लाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा सघन यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं।

इस अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा नियमों का पालन करने वाले वाहन चालको को फूल, चॉकलेट देकर सराहना की जा रही। जिम्मेदार वाहन चालकों द्वारा अभियान की प्रशंसा भी की गई। उन्होंने

नियमो का पालन करने के फायदे भी बताए। यातायात पुलिस के अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्र, चौराहों पर भ्रमण कर यातायात व्यवस्था में लगे कर्मचारियों/अधिकारियों को प्रति दिन दिशा निर्देश दिए जा रहे है। इस मुहिम के दौरानबिना नंबर या स्टाइलिश नंबर प्लेट, मोडिफाइड साइलेंसर, अनाधिकृत हूटर, गलत दिशा में वाहन चलाने वाले, तीन सवारी बैठाने वाले, रेड लाइट का उल्लंघन करने, ब्लेक फ़िल्म, वाहनों में इमरजेंसी लाइट का अनाधिकृत उपयोग करने सहित अन्य नियमो का उल्लंघन करने पर कार्यवाही जारी है। यातायात पुलिस द्वारा चौराहो पर माइक से अनाउंसमेंट कर वाहन चालकों से यातायात नियमों के पालन में सहयोग की अपील भी की गई। अभियान के दौरान यातायात प्रबंधन मित्रो द्वारा चौराहों पर सेवा दी जा रही। कई वाहन चालक जिम्मेदारी पूर्वक इस अभियान में सहयोग देते हुए, नियमो का पालन भी करने लगे है।

भंवरकुंआ से खण्डवा रोड तक सेंट्रल डिवाइडर पर पौधारोपण कार्य का शुभारंभ

अनिल चौधरी

इंदौर दिनांक 21 अप्रैल 2025। नगर निगम द्वारा शहर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के निरंतर प्रयासों के अंतर्गत आज भंवरकुंआ से खण्डवा रोड तक सेंट्रल डिवाइडर पर पौधारोपण कार्य का शुभारंभ किया गया। यह कार्य "जनभागीदारी" की अवधारणा के तहत क्वीन्स कॉलेज, इंदौर के सक्रिय सहयोग से प्रारंभ हुआ।

इस अवसर पर कार्यवाहक महापौर एवं जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने पौधारोपण कर इस अभियान की शुरुआत की और सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण हेतु आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में क्वीन्स कॉलेज की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बड़ी संख्या में पौधे रोपे। उनका यह योगदान पर्यावरण के प्रति जागरूकता और समर्पण का प्रतीक रहा। कॉलेज के डायरेक्टर रमेश मूलचंदानी, प्राचार्य एवं क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी आदित्य सिंघानिया तथा नगर निगम के अन्य अधिकारीगण भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। नगर निगम इंदौर द्वारा यह तय किया गया है कि संपूर्ण खण्डवा रोड मार्ग पर पौधारोपण का कार्य क्वीन्स कॉलेज एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाएगा। इस मुहिम का उद्देश्य न केवल शहर की हरियाली बढ़ाना है, बल्कि नागरिकों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी जागृत करना है। नगर निगम इंदौर सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे इस अभियान में भाग लें और पौधों की देखभाल कर शहर को प्रदूषण मुक्त एवं हराभरा बनाने में अपना योगदान दें।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में अनियमितता पाये जाने पर महिगांव के विक्रेता पर करायी एफआईआर

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागली के निर्देशन में सहायक आपूर्ति अधिकारी बागली अभिषेक मोर के द्वारा शा.उचित मूल्य दुकान महिगांव की जांच की गई , जिसमें दुकान के विक्रेता बलवंत सिंघाड़े पिता नारायण द्वारा दुकान संचालन में अनियमितता करना पाए जाने पर , हितग्राहियों को पात्रता अनुसार राशन वितरण न करने एवं दुकान के भौतिक सत्यापन में गेहूं 103.89 क्विटल , चावल 107.29 क्विटल , शक्कर 0.47 क्विटल , नमक 4.22 क्विटल और 2.80 क्विटल मूंग स्टॉक में कम पाए जाने के कारण म.प्र. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2015 के प्रावधानों का उल्लंघन होने से शा.उचित मूल्य दुकान महिगांव के विक्रेता बलवंत सिंघाड़े पिता नारायण के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत पुलिस थाना उदयनगर में सहायक आपूर्ति अधिकारी बागली के द्वारा प्राथमिकी दर्ज करायी गई।

इंदौरः लंदन मेले में फिरोज खान के नाम पर विवाद, महापौर की तस्वीर के दुरुपयोग का आरोप

राजेश धाकड़

इंदौर के दशहरा मैदान में लगे लंदन मेले में एक बड़ा विवाद उस समय खड़ा हो गया जब आयोजक फिरोज खान द्वारा महापौर पुष्यमित्र भार्गव की तस्वीर का बिना अनुमति उपयोग किया गया। इस पर हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ता सुमित हार्डिया ने कड़ा एतराज जताया। सूत्रों के अनुसार, आयोजन में फिरोज खान का नाम प्रमुख रूप से प्रचारित किया जा रहा था, जिसे लेकर हिन्दू संगठनों में नाराजगी देखी गई। बताया जा रहा है कि देर रात महापौर समर्थकों द्वारा मेले में लगे होर्डिंग और पोस्टर फाड़ दिए गए, जिनमें महापौर

की तस्वीरें भी शामिल थीं। महापौर भार्गव के करीबी सूत्रों ने बताया कि इस आयोजन में उनका कोई सीधा संबंध नहीं है और न ही उन्होंने अपनी तस्वीर उपयोग करने की कोई अनुमति दी थी। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर नगर निगम प्रशासन और स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया गया है। फिलहाल मेले के आयोजक फिरोज खान की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मामले की जांच जारी है और प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। यह विवाद शहर की राजनीति और सांप्रदायिक समरसता पर एक बार फिर सवाल खड़े कर रहा है।

स्वयं का परिष्कार ही सहजयोग ध्यान है

तपस्या भी मानसिक, वाचिक और कर्म आधारित है। मन को सभी इंद्रियों व उनके सुख में जाने से रोकना मानसिक तप है। व्यर्थ नहीं बोलना और मौन रखना वाचिक तप है। किसी इच्छापूर्ति या पाने की आकांक्षा हेतु व्रत रखना या अपने शरीर को कष्ट देना जैसे हठयोग आदि सब शारीरिक तप है। तप आध्यात्मिक जीवन की आधार-शिला है। 'तप आधार सब सृष्टि भवानी' लिखकर संत तुलसी ने इसे महिमा मंडित किया है। तपस्वी अपने जीवन की दशा स्वयं निर्धारित करते हैं, जबकि सामान्य व्यक्तियों का जीवन पूर्णतः परिस्थितियों के अधीन होता है। तपस्वी तप की ऊर्जा से परिस्थिति की प्रतिकूलता को भी अपने अनुकूल बना लेते हैं। वस्तुतः तप करना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसकी कुछ मर्यादाएं हैं। सनक में आकर कुछ भी करते रहने का नाम तप नहीं है। नमक न खाना, नंगे पांव चलना, भूखे रहना आदि क्रियाओं से शारीरिक कष्ट तो अवश्य होता है, किंतु कोई आध्यात्मिक लाभ नहीं प्राप्त होता। सुनिश्चित संकल्प के साथ तप पर अमल गुरु के निर्देशन में ही करना चाहिए। तप से हमारे सुप्त संस्कारों का जागरण होता है और यह जागरण हमारे आध्यात्मिक विकास को गति देता है। तप का उद्देश्य मात्र ऊर्जा का अर्जन ही नहीं, उस ऊर्जा का संरक्षण व सुनियोजन भी है। जो अपनी ऊर्जा को संरक्षित कर लेता है वह सामर्थ्यवान हो जाता है। तप कोई चमत्कार न होकर स्वयं का परिष्कार है। सहज योग एक ऐसा ही परिष्कार है वहां चमत्कार स्वतः तो होते हैं पर तपस्या से, और यह तपस्या है ध्यान। सहज योग की प्रणेता हमारी परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने ध्यान की जो विधि बताई है वो आसान है समझने में। लेकिन सहज योग की मर्यादाओं का पालन करते हुए दिन में दो बार ध्यान में बैठकर सिखाई गई विधि से ध्यान धारणा करना है। धीरे - धीरे नाड़ियां शुद्ध होती हैं और हम चैतन्य के प्रवाह(हथेली में ठंडी हवा का बहाव) को महसूस करने लगते हैं। यही चैतन्य हमारी जिंदगी में आश्चर्यजनक बदलाव लाते हैं। हम स्वयं को भी निरोगी रख पाते हैं और दूसरों को भी। ध्यान धारणा से जागृत चक्र हमारे सदुणों को भी जागृत करते हैं। गृहस्थ जीवन जीते हुये अपने परिवार और समाज के प्रति संपूर्ण दायित्व निभाते हुये सहज योगी बना जा सकता है। अहंकार तप के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। अतः ईश्वर प्राप्ति के लिए अहंकार को त्यागना ही पड़ता है। तपस्या करने में असुर सबसे आगे रहे हैं। तपस्या के द्वारा वे भगवान से मनचाहा वरदान प्राप्त करते रहे हैं। आलस्य को त्यागकर वर्षों तक कठोर तपस्या करने का साहस उनमें होता है, किंतु अपने अहंकार का त्याग न कर पाने के कारण वे तप से प्राप्त ऊर्जा का दुरुपयोग करते हैं। सहज योग हमें सकारात्मक उर्जा देता है। नकारात्मक सोच के साथ भी यदि कोई सहज योग का अभ्यास करता है तो उसके सोच में भी बदलाव आने लगता है। यह बदलाव ही हमें जीवन की सही दिशा देता है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

सहजयोग

हर्ष व विषाद से मुक्त चिर आनंद की अवस्था है

आतम अनुभव जब भयो तव नहीं हर्ष विषाद,
चित्रदीप सम है रहे, तजिकर वादविवाद ॥

हमारी भारतीय संस्कृति आत्मोन्नति की बात करती है। अध्यात्म इस भूमि के कण-कण में बसा है। हमारे भारत देश में जितने भी संत हुए, ऋषि मुनि हुए, उन सभी ने स्वयं को प्राप्त इस आत्मसाक्षात्कार को जनसामान्य तक पहुँचाने का पूरा प्रयास किया। संत कबीर दास जी को जब आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हुआ तो उस आनंद का वर्णन उन्होंने अपनी कविता में किया है। वे कहते हैं कि अपने आप के स्वरूप का, चैतन्य का यानि की हृदयस्थ आत्मा का जब अनुभव हो जाता है, तब हर्ष शोक नहीं रह जाते। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त व्यक्ति किसी से भी वाद-विवाद नहीं करता। वह व्यक्ति भीतर से शांत, करुणामयी, आनंदयुक्त होकर चित्र के दीपक की भाँति स्थिर हो जाता है।

प. पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी प्रणित सहजयोग में उपरोक्त वर्णित आत्मानुभव लिया जा सकता है। सहजयोग अपने चित्त को अपने भीतर झाँकने की दिव्य कला सिखाता है। श्री माताजी कहते हैं कि आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। आपका प्रथम स्वार्थ है स्वतः को जानना यानि अपनी आत्मा को जानना। जब सहजयोग में साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है। तब उसे इसकी अनुभूति अपने सूक्ष्म शरीर पर, अपने हाथों की उँगलियों के छोरों पर और अपने तालुभाग पर होती है। आदि शंकराचार्य जी ने इसे सौन्दर्यलहरी, आनंदलहरी कहा है। इसे साधक जब स्वयं में अनुभव करता है। तो वो भी चित्र के दीपक के समान स्थिर, शांत और निरानंदमयी हो जाता है। जब हमारा अहंभाव पोषित होता है। तब हमें सुख मिलता है, जैसे अगर किसी ने हमारी प्रशंसा की तो हमें सुख मिलता है, हमे ऊंचा पद, प्रतिष्ठा या संपत्ति प्राप्त हुई तो हमें सुख मिलता है परन्तु जब हमें कोई प्रताड़ित करता है, अथवा अपयश मिलता है तो हमारा प्रतिअहंभाव पोषित होने से हमें दुःख होता है। परंतु आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के बाद हमें निरानंद प्राप्त होता है, तब हमें हर्ष और विषाद नहीं रहते, अर्थात् हम हमारे अहंकार और प्रति अहंकार पर विजय प्राप्त करते हैं, उनसे परे जाते हैं। तब हमें ये आल्हाददायिनी चैतन्य लहरियाँ मिलती हैं। अमृतमयी आनंद देनेवाली अनुभूति को हम सहर्ष महसूस कर सकते हैं। आपको भी अगर वाद-विवाद को त्यागकर चित्र के दीपक के समान स्थिर और निरानंदमयी होना है। तो आज ही सहजयोग ध्यान सीखें सहजयोग ध्यान आत्मा को पाने की ऐसी पद्धति है जिसमें सहजता से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है। अधिक जानकारी हेतु हमारे हेल्पलाइन नंबर 18002700800 पर कॉल कर सकते है या वेबसाइट www.sahajayo ga.org.in पर देख सकते हैं।

आत्मतत्व अजर अमर है श्री कृष्ण वर्णित इसी सत्य को प्रमाणित करता है येशु का पुनर्जन्म

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः
। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

'भगवद्गीता' परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहजयोग हमें अपने सूक्ष्म शरीर में स्थित सभी अवतरणों की न केवल पहचान कराता है बल्कि आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के बाद, नियमित ध्यान करने से हम हमारे तालुभाग पर और उँगलियों पर परमचैतन्य की अनुभूति और दैवीय शक्तियों का साक्षात भी कर सकते हैं| सहजयोग विज्ञान के अनुसार श्री येशू का स्थान हमारे आज्ञा चक्र पर है। आत्मतत्व अर्थात् 'चेतन तत्व' अजर, अमर और अविनाशी है । श्री कृष्ण ने स्वयं कहा है कि आत्मा को शस्त्र से काटा नही जा सकता और न ही अग्नि से जलाया जा सकता है । यह तत्व भगवान येशू ने अपने जीवन और निर्वाण से सिद्ध कर दिया, भगवान येशू को जब तत्कालीन समाज कंटकों ने, धर्ममार्तंडों ने सूली पर चढ़ाया तब उन्होंने कहा, हे भगवान आप इन सभी को क्षमा करें, क्यों कि ये नही जानते, ये क्या कर रहे हैं। ' अपने हत्यारों के प्रति इतना करूणा भाव, इतनी क्षमाशीलता इस महान अवतरण में थी । परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं विश्व के सभी सच्चे साधक आज्ञाचक्र को पार कर सकें इसलिये उन्हें यह बलिदान देना पड़ा । आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के लिये आज्ञाचक्र को लाँघना अत्यंत महत्वपूर्ण सोपान था क्योंकि यह चक्र साधक का अहंकार और प्रति अहंकार नियंत्रित करता है । जब तक मानव को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त नहीं होता तब तक मानव यह नहीं जान पाता कि अहंकार और प्रतिअहंकार को किस प्रकार नियंत्रित किया जाय? और आत्मसाक्षात्कार के बिना मानव 'क्षमाशीलता' इस सदुण से भी परिचित नहीं होता और सदैव काम-क्रोध की अग्नि में जलता रहता है । परंतु आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के बाद मानव सदैव अपने आचरण और व्यवहार के प्रति जागृत रहता है, अपने चित्त में उत्पन्न गलत विचारों को क्षमा करता है, क्षमा माँगता है, आज्ञा चक्र पर ध्यान कर 'हं क्षं' मंत्र का उच्चारण करता है, तो शीतल चैतन्य लहरीयाँ उसके आज्ञा चक्र से और तालुभाग से निसृत होकर उसे परम आनंद प्रदान करती हैं। परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, भगवान येशू ने अपने सूक्ष्म शरीर में स्थित पंचतत्व पर विजय प्राप्त की थी। मानव के तालुभाग की तुलना इस्टर के अंडे साथ की गयी है | जिस प्रकार अंडे से पक्षी का जन्म होता, उसी प्रकार परमपूज्य श्री माताजी की कृपा में सत्य के प्रत्येक साधक को पुर्नजन्म प्राप्त होता है । आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के बाद साधक का संपूर्ण परिवर्तन हो जाता है, उसका जीवन चैतन्यमयी, आनंदमयी बन जाता है । भगवान येशू की कृपा से साधक का भालप्रदेश और आँखे हीरे जैसी चमकने लगती हैं और धीरे-धीरे वह साधक भी शांत, सुशील, कृतज्ञ और क्षमाशील बनकर दैवीय जीवन यापन करता है । सहजयोग ध्यान से उपरोक्त वर्णित अनुभव साक्षात् सहज ही संभव हो जाता है। आप अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अख़बार

धनुष की फिल्म के सेट पर लगी भीषण आग

गांव में बना था फिल्म इडली कडाई का सेट, डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया गया

साउथ सुपरस्टार धनुष की अपकमिंग फिल्म इडली कडाई के सेट पर भीषण आग लग गई है। आग से सेट जलकर राख हो चुका है। हालांकि रिपोर्ट्स की मानें तो इससे किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। फिलहाल आग लगने का कारण सामने नहीं आ सका है।

फिल्म इडली कडाई की शूटिंग बीते कुछ समय से तमिलनाडु के थेनी जिले के पास स्थित अंदीपट्टी गांव में चल रही थी। शूटिंग के लिए गांव में सड़क, घरों और दुकानों का बड़ा सेट तैयार किया गया था। इस सेट पर कुछ दिनों के लिए शूटिंग रोककर दूसरे सेट पर की जा रही थी। इस लोकेशन पर जल्द ही दोबारा शूटिंग शुरू की जाने वाली थी, हालांकि इससे पहले ही सेट आग की चपेट में आ गया है।

हाल ही में आई द ब्लेज की रिपोर्ट के अनुसार, सेट को बनाने में ज्वलनशील मटेरियल का इस्तेमाल किया गया था। ऐसे में तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग देखकर अंदीपट्टी अग्निशमन विभाग को सूचना दी। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक सेट पूरी तरह जल चुका था।

बताते चलें कि फिल्म इडली कडाई में लीड रोल निभाने के साथ-साथ धनुष ने ही इसे डायरेक्ट और को-प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म को इसी साल 1 अक्टूबर को रिलीज करने के लिए शेड्यूल किया गया है। फिल्म में धनुष के साथ साउथ एक्ट्रेस निथ्या मेनन लीड रोल में हैं। शुरूआत में फिल्म को 10 अप्रैल 2025 में रिलीज किया जाना था, हालांकि प्रोडक्शन डिले के चलते फिल्म की रिलीज टाल दी गई थी।

अब तक कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स ठुकरा चुकी हैं भूमि पेडनेकर

अब 'द रॉयल्स' से करेंगी डेब्यू

बड़े पर्दे के बाद अब एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर आखिरकार ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वह जल्द ही वेब सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आएंगी। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब उन्हें वेब सीरीज में काम करने का प्रस्ताव मिला हो। इससे पहले भी उन्होंने कई ओटीटी प्रोजेक्ट्स ठुकरा दिए थे।

हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत में भूमि पेडनेकर ने कहा, मुझे ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए कई वेब सीरीज के ऑफर मिले थे। मैंने सभी की स्क्रिप्ट्स भी पढ़ी थीं, लेकिन उन्हें करने से इनकार कर दिया। हालांकि बाद में वे सभी प्रोजेक्ट्स काफी सफल रहे। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि मुझे उन प्रोजेक्ट्स से वैसा जुड़ाव कभी महसूस नहीं हुआ, जैसा कि 'द रॉयल्स' से हुआ। इसलिए इसके लिए हामी भर दी।

भूमि ने आगे कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी बात थी सही कहानी और सही जॉनर का मिलना। जहां तक 'द रॉयल्स' की बात है, यह एक रोमांटिक कॉमेडी है, और रोम-कॉम मेरा सबसे पसंदीदा जॉनर है। मुझे नहीं लगता कि आजकल हम इस तरह की फिल्में या शोज बना रहे हैं। मैं मिल्स एंड बून के नॉवेल्स पढ़ते हुए बड़ी हुई हूं। शायद इसी वजह से मुझे कोरियन ड्रामा भी बहुत पसंद हैं, क्योंकि उनमें रोमांस भरपूर होता है।

9 मई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा शो

द रॉयल्स में भूमि पेडनेकर के साथ ईशान खट्टर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इन दोनों के अलावा इस शो में जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, डिनो मोरिया, मिलिंद सोमन, चंकी पांडे, विहान सामत और सुमुखी सुरेश जैसे कई कलाकार हैं। यह शो 9 मई को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगा।

राजीव सेन के आरोप पर बोलीं चारू असोपा

एक्स हसबैंड ने एक्ट्रेस पर आरोप लगाए थे कि वह उनके दोस्त से बात करती थीं

टीवी एक्ट्रेस चारू असोपा के मुंबई छोड़ने के बाद से ही उनके और एक्स हसबैंड राजीव सेन के बीच विवाद लगातार जारी है। हाल ही में राजीव सेन ने चारू को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। उनका कहना था कि उन्होंने चारू को अपने 20 साल पुराने सबसे अच्छे दोस्त से बात करते हुए पकड़ा था।

अब इन आरोपों पर चारू ने अपने व्लॉग में एक्स हसबैंड का नाम लिए बिना उनसे कई सवाल किए हैं। चारू ने पूछा, अगर राजीव ने उन्हें अपने दोस्त से बात करते हुए पकड़ा होता तो उन्हें पता होता कि वह किस बारे में बात कर रही हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि उनको अपने दोस्त का नाम बताना चाहिए। सिर्फ झूठे आरोप और बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, एक कमेंट मेरे बारे में आया था कि मुझे अपने किसी दोस्त से बात करते हुए रंगे हाथ पकड़ा, तो पहले तो मुझे ये कमेंट ही बड़ा अजीब लगा कि दोस्त से बात करते हुए रंगे हाथ पकड़ा। तो अगर आपने बात करते पकड़ा तो आपको पता होगा कि मैंने क्या बात की। तो बताओ मैंने क्या कहा बात की, क्योंकि मुझे भी पता है कि आपने मुझे रंगे हाथ पकड़ा तो मैं आपके दोस्त से क्या बात कर रही थी। या जिस दोस्त से बात कर रही थी उसका नाम तो बताओ मुझे बात नहीं करनी चाहिए, सब हवा में बात करते हैं। राजीव सेन ने कहा था कि उन्होंने चारू को अपने 20 साल पुराने सबसे अच्छे दोस्त से बात करते हुए पकड़ा था। द टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में राजीव सेन ने कहा था, हम सभी दुबई में छुट्टियां मनाने गए थे। इसी दौरान मैंने चारू को मेरी पीठ पीछे मेरे 20 साल पुराने सबसे अच्छे दोस्त से बात करते हुए देखा।

अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए आपत्तिजनक कमेंट पर बवाल

मनोज मुंतशिर ने दे डाली खुली चेतावनी, कहा- औकात में रहो, कई जगह शिकायत दर्ज

अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए गए एक बयान से बवाल मच गया है। सोशल मीडिया में हुए एक बहस के दौरान अनुराग कश्यप ने कहा, मैं ब्राह्मणों पर मूतुंगा, कोई प्रॉब्लम है। कमेंट का स्क्रीनशॉट वायरल होते ही फिल्ममेकर अनुराग कश्यप विवादों से घिर गए। मुंबई और इंदौर समेत कई जगह उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। अब लिरिसिस्ट मनोज मुंतशिर ने भी भड़कते हुए अनुराग को खुली चेतावनी दे दी है।

मनोज मुंतशिर ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट कर कहा है- आमदनी कम हो तो खर्चों पर और जानकारी कम हो तो शब्दों पर कंट्रोल रखना जरूरी है। अनुराग कश्यप, तुम्हारी तो आमदनी भी कम है और जानकारी भी इसलिए दोनों पर कंट्रोल करो। तुम्हारे शरीर में इतना पानी नहीं है कि ब्राह्मणों की इंच भर लीगेसी को दूषित कर पाओ। फिर भी तुमने ये इच्छा जाहिर कर दी है, तो मैं कुछ तस्वीरें तुम्हारे घर भेजना चाहता हूं। तुम तय करो कि किस किस ब्राह्मण पर तुम्हें अपने शरीर का गंदा पानी फेंकना है।

अपने वीडियो में मनोज मुंतशिर ने आचार्य चाणक्य, चंद्रशेखर आजाद, पेशवा बाजीराव, भगवान परशुराम, रामकृष्ण परमहंस, आदिगुरू शंकराचार्य, मंगल पांडे, अटल बिहारी बाजपेयी, तात्या टोपे, जैसे ब्राह्मणों का नाम लेते हुए कहा, तुम्हारे जैसे हजारों नफरती शुरू होकर खत्म हो जाएंगे, ब्राह्मणों की गौरवशाली परंपरा खत्म नहीं होगी। मैं एक ब्राह्मण तुम्हें खुला चैलेंज देता हूं, इस वीडियो में कमेंट करके मेरे गिनवाए हुए 21 नामों में से कोई एक नाम चुनकर बता दो, तस्वीर भेजना मेरा काम है। और अगर गुर्दे में इतना दम नहीं है जो अपनी बोली हुई बातों पर अटल रह पाओ, तो भाईसाहब एक बहुत बड़े आदमी ने कहा है कि रहने के लिए दुनिया में कई अच्छी जगह हैं, लेकिन रहने के लिए सबसे अच्छा यही है कि औकात में रहो।

आगे उन्होंने कहा, तुम्हारी घिनौनी सोच पर दया दिखाते हुए ब्राह्मण तो शायद क्षमा भी कर दें, हिंदू समाज तुम जैसे अपराधियों को, सनातन द्रोहियों को, देश को तोड़ने और एकता को खंडित करने वालों को कभी क्षमा नहीं करेगा।

ब्राह्मण समुदाय के लिए कहे अपशब्द, फिर मांगी माफी

अनुराग कश्यप की फिल्म 'फुले' 11 अप्रैल को रिलीज होनी थी, हालांकि जातिवाद के आरोप लगने के बाद फिल्म का टालना पड़ा है। सेंसर बोर्ड ने भी फिल्म में कई बदलाव करवाए हैं। इसकी रिलीज में देरी और सीबीएफसी के बदलावों से परेशान होकर अनुराग ने केंद्र सरकार, ब्राह्मण समुदाय और सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन पर चंद पोस्ट शेयर की थीं। इसके बाद अनुराग कश्यप को सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा। अनुराग पर निशाना साधते हुए एक यूजर ने लिखा था- ब्राह्मण तुम्हारे बाप हैं, जितना तुम्हारी उनसे सुलगती, उतना तुम्हारी सुलगाएंगे। इसका जवाब देते हुए डायरेक्टर ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

11 अप्रैल को रिलीज होनी थी फिल्म

दरअसल, प्रतीक गांधी और पत्रलेखा स्टारर फिल्म फुले विवादों में घिरी हुई है। समाज सुधारक जोड़ी ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले की जिंदगी पर बनी इस फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया था। फिल्म पहले 11 अप्रैल को रिलीज होनी थी। फिल्म पर जातिवाद फैलाने के इल्जाम लगाए गए। विवादों के चलते फिल्म की रिलीज डेट 25 अप्रैल कर दी गई है। वहीं, सीबीएफसी ने इसे ह्यूमन सर्टिफिकेट दिया है। सेंसर बोर्ड ने मेकर्स को इसमें कई बदलाव करने के लिए भी कहा।

फिल्म में से हटाए गए कई शब्द

बता दें, फिल्म में सेंसर बोर्ड ने कई बदलाव करने के लिए मेकर्स को कहा था। फिल्म से 'मांग', 'महर', 'पेशवाई' जैसे शब्दों को हटवाया गया। साथ ही '3000 साल पुरानी गुलामी डायलॉग को भी बदलकर 'कई साल पुरानी गुलामी' करवा दिया गया था। फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया है।

विवाद बढ़ने के बाद अनुराग कश्यप ने माफी मांगी

अनुराग के कमेंट के स्क्रीनशॉट वायरल होने पर उन्हें धमकियां दी जाने लगीं, जिसके बाद उन्होंने माफी मांग ली। उन्होंने लिखा- मैं माफी मांगता हूं, पर ये मैं अपनी पोस्ट के लिए नहीं बल्कि उस एक लाइन के लिए मांग रहा हूं, जिसको गलत तरह से लिया गया और नफरत फैलाई गई। कोई भी एक्शन या स्पीच आपकी बेटी, परिवार, दोस्त और जानने वालों से ज्यादा नहीं। उन्हें रेप की धमकी मिल रही है, जान से मारने की धमकी दी जा रही है। जो खुद को संस्कारी कहते हैं, वो लोग ये सब कर रहे हैं। तो कही हुई बात वापस नहीं ली जा सकती और न लूंगा, लेकिन मुझे जो गाली देनी है दो। मेरे परिवार ने न कुछ कहा है और न कहता है। इसलिए अगर मुझसे माफी ही चाहिए तो ये मेरी माफी है। ब्राह्मण लोग औरतों को बख्श दो, इतना संस्कार तो शास्त्रों में भी है, सिर्फ मनुवाद में नहीं है। आप कौन से ब्राह्मण हो तय कर लो? बाकी मेरी तरफ से माफी।

20 साल बाद ठाकरे भाइयों ने दिए मिलन के संकेत...

क्या है दोनों की मौजूदा राजनीतिक हैसियत; क्या शिंदे-भाजपा के लिए खतरा

2024 में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे की पार्टी का खाता तक नहीं खुला। उद्धव ठाकरे की पार्टी भी 288 सीटों की विधानसभा में महज 20 सीट पर सिमट गई। जिस शिवसेना के लिए दोनों के रास्ते अलग हुए थे, वो भी छिन चुकी है। ऐसे में राज और उद्धव के रिश्तों में 20 सालों से जमी बर्फ पिघलती दिख रही है। उद्धव और राज के एकसाथ आने की अटकलें क्यों लग रही हैं, क्या दोनों मिलकर महाराष्ट्र में शिंदे और बीजेपी का मुकाबला कर सकते हैं और कैसे अलग हुए थे दोनों भाइयों के रास्ते...

उद्धव और राज साथ लड़ते, तो 8 सीटें ज्यादा जीतते

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024

19 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां राज ठाकरे की मनसे को मिले वोट विनिंग मार्जिन से ज्यादा हैं। यानी इन 19 सीटों पर MNS मजबूत रही।

इनमें से 11 सीटें शिवसेना (उद्धव) के खाते में गईं, जबकि बाकी 8 सीटों में से 2 पर शिवसेना (शिंदे), 3-3 पर बीजेपी और एनसीपी (अजित) ने जीत हासिल की।

यानी अगर इस चुनाव में मनसे ने शिवसेना (उद्धव) से हाथ मिलाया होता, तो दोनों मिलकर 8 सीटें ज्यादा जीतते। **ये सीटें हैं...**

1. राजुरा	5. भांडुप पश्चिम
2. शाहपुर	6. घाटकोपर पश्चिम
3. बेलापुर	7. कल्याण ग्रामीण
4. हड़पसर	8. अणुशक्ति नगर

Source: Election Commission of India

दोनों के साथ आने की अटकलें क्यों लग रही हैं?

पिछले तीन दिनों में ऐसा बहुत कुछ हुआ, जिससे उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने की अटकलें लग रही हैं

शुरूआत होती है महेश मांजरेकर के यूट्यूब चैनल पर शनिवार को प्रसारित हुए एक पॉडकास्ट से। इस पॉडकास्ट के गेस्ट महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे थे।

महेश मांजरेकर ने उद्धव के साथ गठबंधन पर सवाल किया था। इस पर राज ठाकरे ने कहा, हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं। महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। सवाल केवल इच्छाशक्ति का है।

एक और सवाल पर राज ने कहा, ह्रजब मैं शिवसेना में था तो मुझे उद्धव के साथ काम करने में कोई आपत्ति नहीं थी। सवाल यह है कि क्या दूसरा व्यक्ति चाहता है कि मैं उसके साथ काम करूं? मैं कभी भी अपने अहंकार को ऐसी छोटी-छोटी बातों में नहीं लाता।

उद्धव ठाकरे ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, लेकिन एक शर्त के साथ। उन्होंने कहा, ह्रमैं छोटे-छोटे विवादों को दरकिनार करने के लिए तैयार हूं, लेकिन जो महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करते हैं, उनके साथ कोई संबंध नहीं रखूंगा।

शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने कहा कि उद्धव एक शर्त पर राज से बात को तैयार हैं, अगर राज महाराष्ट्र और शिवसेना (UBT) के दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें। शिवसेना (UBT) नेता अंबादास दानवे ने कहा कि दोनों भाई हैं, लेकिन उनकी राजनीति अलग है। अगर साथ आना है तो आमने-सामने बात होनी चाहिए, टीवी पर नहीं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर दोनों साथ आते हैं तो हमें खुशी होगी। मतभेद मिटाना अच्छी बात है। हालांकि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

राज ठाकरे और उद्धव के बीच झगड़ा क्या था

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे साथ ही में बड़े हुए। दोनों एक साथ दादर के बाल मोहन विद्या मंदिर स्कूल में पढ़ते थे। उद्धव जहां शमीर्ले स्वभाव के थे, वहीं राज 3 साल की उम्र से ही अपने चाचा बालासाहेब के तौर तरीके सीखने लगे थे। बालासाहेब के नक्शे कदम पर चलते-चलते राज शिवसेना के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने लगे। वे हूबहू बालासाहेब की तरह दिखते, चलते और बोलते थे। इसी वजह से लोग समझने लगे थे कि बालासाहेब के बाद शिवसेना की कमान राज ठाकरे को सौंप दी जाएगी। साल 2000 आते-आते शिवसेना में बालासाहेब ठाकरे के बाद उनके भतीजे राज ठाकरे दूसरे नंबर के नेता हो गए थे।

इसी दौरान पिता के कहने पर उद्धव ठाकरे भी राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होने लगे। 2002 में बालासाहेब ने बेटे उद्धव को मुंबई महानगर पालिका के चुनाव की जिम्मेदारी दी। उद्धव पिता के इशारे को समझ चुके थे। उन्होंने इस चुनाव में राज ठाकरे के करीबी नेताओं के टिकट काट दिए। नाराज राज ने एक इंटरव्यू में कहा-हां! मैं इससे दुखी हूं। 2002 की इस चुनावी जीत से पार्टी पर उद्धव की पकड़ मजबूत हो गई। अब तक शिवसैनिकों को भी यह बात समझ में आने लगी थी कि आने वाले समय में उद्धव ठाकरे ही शिवेसना के प्रमुख बनेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र दीक्षित बताते हैं कि इस जीत के अगले साल ही 30 जनवरी 2003 को महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में शिवसेना का अधिवेशन रखा गया। इसमें उद्धव ठाकरे को अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव पेश हुआ। सबको हैरानी उस वक्त हुई जब राज ठाकरे से ही ये प्रस्ताव पेश कराया गया। उद्धव के कार्यकारी अध्यक्ष बनते ही राज ठाकरे की अपने चाचा से नाराजगी बढ़ने लगी। 2005 में तब हंगामा मच गया जब राज ठाकरे ने पत्र लिखकर बालासाहेब ठाकरे से कहा कि चापलूसों की चौकड़ी आपको गुमराह कर रही है। राज के बागी अंदाज को बालासाहेब भांप गए थे।

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की मौजूदा राजनीतिक हैसियत

2009 के विधानसभा चुनावों में मनसे ने 13 सीटें जीती थीं। यह उसकी अब तक की सबसे बेहतर परफॉर्मेंस थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में मनसे 10 सीटों पर लड़ी, लेकिन एक भी सीट जीत नहीं पाई। 2019 के विधानसभा चुनावों में मनसे कुल 218 सीटों पर लड़ी, लेकिन सिर्फ 1 सीट कल्याण ग्रामीण ही जीत सकी। 2024 विधानसभा चुनाव में तो मनसे का खाता भी नहीं खुला। राज ठाकरे के बेटे अमित अपना पहला चुनाव ही हार गए। 2009, 2014 और 2019 विधानसभा चुनाव में शिवसेना ने बीजेपी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा। उसे क्रमशः 44, 63 और 56 सीटें मिलीं। 2019 चुनाव के बाद शिवसेना ने बीजेपी से गठबंधन तोड़ा और महाविकास अघाड़ी की सरकार बनाई। उद्धव मुख्यमंत्री बने। जून 2022 में शिंदे ने शिवसेना से बगावत कर दी और बाद में शिवसेना ही हड़प ली। उद्धव ठाकरे गुट का नाम पड़ा- शिवसेना (यूबीटी)। 2024 विधानसभा चुनाव में शिवेसना (यूबीटी) की परफॉर्मेंस भी बेहद खराब रही और पार्टी महज 20 सीटों पर सिमट गई।

मराठी अखबार लोकमत के संपादक रहे सुधीर महाजन कहते हैं, आने वाले बीएमसी चुनाव राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के लिए अस्तित्व की लड़ाई है। अगर उद्धव ये चुनाव नहीं जीते तो समझिए उनकी पॉलिटिक्स अब खत्म हो चुकी है। दूसरी तरफ राज ठाकरे के पास तो कैडर ही नहीं है। पैन महाराष्ट्र देखा जाए तो उनका अस्तित्व पहले ही लगभग खत्म हो चुका है। वरिष्ठ पत्रकार संदीप सोनवलकर के मुताबिक दोनों साथ आएंगे ये कहना थोड़ी जल्दबाजी होगी, लेकिन दोनों को ये समझ आ गया है कि अपना रेलिवेंस बनाए रखने के लिए साथ आना जरूरी है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी अगर मनसे के वोट शिवसेना को मिलते तो उनकी सीटें ज्यादा होतीं।

महाराष्ट्र की राजनीति में क्या असर पड़ेगा?

1. मराठी वोटबैंक का दोबारा ध्रुवीकरणः पिछले एक दशक से मराठी अस्मिता का मुद्दा कमजोर पड़ गया है, क्योंकि शिवसेना बंट चुकी है और टठर सीमित हो चुकी है। दोनों के साथ आने से मराठी मानुष की राजनीति को एकजुट प्लेटफॉर्म मिल सकता है। इससे मुंबई, ठाणे, पुणे जैसे शहरी इलाकों में असर पड़ेगा।

2. शिंदे गुट की चिंता बढ़ेगीः 2024 चुनाव में शिंदे गुट को असली शिवसेना का फायदा मिला है। राज और उद्धव साथ आते हैं, तो लोग भावनात्मक आधार पर 'ठाकरे' नाम के साथ जुड़ सकते हैं।

3. चुनाव में गेमचेंजरः मुंबई की सबसे बड़ी नगर पालिका पर कब्जा शिवसेना की प्रतिष्ठा का मुद्दा रहा है। 2017 में शिवसेना अकेले लड़ी और टॉप पार्टी रही, टठर कमजोर थी। अगर दोनों साथ आते हैं, तो बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। हालांकि वरिष्ठ संपादक सुधीर महाजन का मानना इससे अलग है। वो कहते हैं, दोनों के ही पास बालासाहेब की धरोहर नाम की कोई चीज अब नहीं बची है। इनके पास जो हिंदू आइडियोलॉजी का एजेंडा था वो बीजेपी ने जुटा लिया है। शिवसेना के कद्दावर नेता शिंदे के साथ चले गए।

अमेरिका-पेरू की 11 दिवसीय यात्रा पर वित्त मंत्री

रणजीत टाइम्स

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 11 दिवसीय अमेरिका और पेरू दौरे पर हैं, जहां वह आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठकों में भाग लेंगी और निवेशकों, प्रवासी भारतीयों व अन्य देशों के वित्त मंत्रियों से मुलाकात करेंगी। पेरू में वह खनन व व्यापार सहयोग बढ़ाने के अवसर तलाशेंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार से अमेरिका और पेरू की 11 दिवसीय यात्रा पर हैं। इस दौरान वह प्रमुख फंड प्रबंधन फर्मों के सीईओ के साथ बातचीत करेंगी और भारतीय प्रवासियों के कार्यक्रम में भाग लेंगी। वित्त मंत्री 20 से 25 अप्रैल तक सान फ्रांसिस्को और वाशिंगटन डीसी का दौरा करेंगी।

सान फ्रांसिस्को की दो दिवसीय यात्रा के दौरान स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में विकसित भारत 2047 की नींव रखने पर एक भाषण देंगी। इसके बाद फायरसाइड चैट सत्र यानी अनौपचारिक वार्तालाप होगा। यहां सीतारमण निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड प्रबंधन फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत करेंगी और शीर्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगी। सान फ्रांसिस्को के भारतीय प्रवासियों के एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगी। इसके बाद 22 से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा में वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की विकासशील देशों में लोगों के जीवन में सुधार लाने वाली सेमिनार, गोलमेज सम्मेलन, प्रेस ब्रीफिंग और आधिकारिक बैठकें वाली स्प्रिंग मीटिंग्स, जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की दूसरी बैठक, विकास समिति प्लेनरी, आईएमएफसी प्लेनरी और वैश्विक संप्रभु ऋण गोलमेज (जीएसडीआर) बैठक में भी शिरकत करेंगी।

दुकानदारी-रोजगार को गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप

ई-कॉमर्स के खिलाफ उतरेंगे खुदरा व्यापारी

रणजीत टाइम्स

अमेरिका के टैरिफ वॉर के बीच बाजार के विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन बाजार भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों के खिलाफ एक सुनियोजित षड्यंत्र है। भारत को अपनी 140 करोड़ की आबादी के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन ऑनलाइन बाजार लोगों के रोजगार छीन रहा है।

घर बैठे मोबाइल पर आवश्यक वस्तुओं की खरीद किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रह गया है। खाने-पीने, पहनने और मनोरंजन की वस्तुओं से लेकर अब लगभग हर क्षेत्र की वस्तुएं-सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से लोगों को सहज उपलब्ध हैं। इससे लोगों को काफी सहूलियत भी हुई है। लेकिन इससे देश में 11 करोड़ से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले खुदरा बाजार की दुकानदारी नष्ट हो गई है। इसका परिणाम हुआ है कि देश के हर हिस्से में खुदरा दुकानें बंद हो रही हैं और मॉल और बड़ी दुकानों को किराए पर कोई लेने वाला नहीं मिल रहा है।

अमेरिका के टैरिफ वॉर के बीच बाजार के विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन बाजार भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों के खिलाफ एक सुनियोजित षड्यंत्र है। भारत को अपनी 140 करोड़ की आबादी के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन ऑनलाइन बाजार लोगों के रोजगार छीन रहा है। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लोगों को कर्ज देकर उन्हें अपना रोजगार विकसित करने के लिए कर्ज दे रहे हैं, लेकिन ऑन लाइन बाजार ऐसे लोगों से उनका उपभोक्ता छीन रहा है। यही कारण है कि अर्थव्यवस्था के जानकार केंद्र सरकार से ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनियों के खिलाफ एक सुनियोजित नीतिगत हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

ई कॉमर्स कंपनियों पर आरोप

खुदरा व्यापार संगठनों का आरोप है कि ई कॉमर्स कंपनियां एक साजिश हैं। खुदरा व्यापारी को कोई वस्तु जिस मूल्य पर मिलती है, ऑनलाइन कंपनियां एक व्यापारिक रणनीति (साजिश) के अंतर्गत उसी वस्तु को उससे कम कीमत पर खुदरा ग्राहकों को उपलब्ध कराती हैं। इससे ग्राहक ऑनलाइन कंपनियों की ओर चला जाता है। लेकिन जब इस कीमत युद्ध में खुदरा व्यापारियों के पैर उखड़ जाते हैं, और वह दुकानदारी से भाग जाता है, यही कंपनियां उसी वस्तु की भारी कीमत उपभोक्ताओं से वसूलती हैं। यानी यह व्यापार नीति न तो ग्राहकों के लिए ठीक है, न ही दुकानदारों के लिए। व्यापारियों की मांग है कि सरकार इसमें नीतिगत हस्तक्षेप करे। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के नेतृत्व में देश के व्यापारी-खुदरा दुकानदार और रोजगार से जुड़े लोग एकत्र होकर अपनी यह मांग केंद्र सरकार तक पहुंचाएंगे। उनका कहना है कि केंद्र सरकार को इस साजिश को समझते हुए उचित हस्तक्षेप कर ऑन लाइन बाजार से नष्ट हो रहे व्यापार-रोजगार को बचाने की पहल करनी चाहिए। इसमें ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (ऐमरा) और ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कर्ज के गलत इस्तेमाल को लेकर

फंसी जेनसोल की बढ़ेंगी मुश्किलें, सरकार भी कर सकती है जांच

रणजीत टाइम्स

सेबी पहले ही जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटर्स जग्गी बंधुओं को पूंजी बाजार से प्रतिबंधित कर चुकी है। साथ ही जग्गी बंधुओं को कंपनी में अहम पद संभालने से भी रोक दिया है। सेबी ने भी जेनसोल पर फंड के गलत इस्तेमाल और दस्तावेजों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है।

फंड डायवर्जन के आरोपों में फंसी जेनसोल इंजीनियरिंग कंपनी की मुश्किलें और बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय स्वतः संज्ञान लेकर जेनसोल इंजीनियरिंग के खिलाफ जांच शुरू कर सकता है। दरअसल जेनसोल पर वित्तीय कदाचार और नियमों के उल्लंघन का आरोप लग रहा है। आरोप है कि जेनसोल ने 975 करोड़ रुपये के कर्ज का गलत इस्तेमाल किया। सरकार ने वित्तीय रिकॉर्ड की जांच शुरू की मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सरकार ने जेनसोल के रेगुलेटरी फाइलिंग और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच शुरू भी कर दी है। साथ ही सरकार इस बात की भी जांच करेगी कि कंपनी ने कॉरपोरेट गवर्नेंस के नियमों के पालन में लापरवाही तो नहीं की है। सेबी पहले ही जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटर्स जग्गी बंधुओं को पूंजी बाजार से प्रतिबंधित कर चुकी है। साथ ही जग्गी बंधुओं को कंपनी में अहम पद संभालने से भी रोक दिया है। सेबी ने भी जेनसोल पर फंड के गलत इस्तेमाल और दस्तावेजों में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। सेबी ने फॉरेंसिक ऑडिट का भी आदेश दिया है।

अमेरिका से ट्रेड वार के बीच भारत से चीन की गुहार

घाटा कराएंगे कम, हमें भी एक मौका दो

रणजीत टाइम्स

अमेरिका और चीन के बीच चल रहे टैरिफ वार के बीच चीन ने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। चीन ने कहा है कि वह भारतीय व्यापार घाटा कम करने में मदद को तैयार है। चीन ने भारत से गुहार लगाते हुए कहा कि उसकी कंपनियों को भी उचित माहौल दिया जाना चाहिए।

हाल ही में सामने आई रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा रिकॉर्ड 99.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसी के मद्देनजर चीन ने भारत को आश्वस्त किया है कि वह इस असंतुलन को दूर करने के लिए कदम उठाने को तैयार है। चीनी राजदूत ने कहा है कि चीन में भारतीय सामानों के लिए बाजार खुला है और प्रीमियम भारतीय उत्पादों का स्वागत किया जाएगा। चीन ने यह भी कहा है कि वह भारतीय कंपनियों को चीनी बाजार की मांगों को समझने और वहां पैर जमाने में हरसंभव मदद करेगा।

भारत में बतौर राजूदत कार्यभार संभालने के बाद एक टीवी चैनल को इंटरव्यू देते हुए चीन के दूत शू फेइहोंग

ने कहा कि भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध विन-विन यानी दोनों के लिए लाभदायक होने चाहिए। उन्होंने कहा, चीन ने कभी व्यापार अधिशेष को जानबूझकर नहीं बढ़ाया। यह बाजार की स्वाभाविक प्रवृत्ति का परिणाम है। राजदूत ने बताया कि साल 2024 में भारत से चीन को मिर्च, लौह अयस्क और कॉटन यार्न जैसे उत्पादों के निर्यात में तेज वृद्धि देखी गई है झ जिनमें क्रमशः 17%, 160% और 240% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राजदूत शू ने कहा कि चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है और यहां का मिडिल क्लास वर्ग विशाल है। भारतीय कंपनियों को चीन इंटरनेशनल इम्पोर्ट एक्सपो, चाइना-साउथ एशिया एक्सपो और चाइना इंटरनेशनल कंज्यूमर प्रोडक्ट्स एक्सपो जैसे मंचों का लाभ उठाना चाहिए।

जनता को इसका वास्तविक लाभ मिलेगा

इंटरव्यू में उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत चीनी कंपनियों को एक निष्पक्ष, पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण व्यापारिक वातावरण देगा। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और मजबूत होगा तथा दोनों देशों की जनता को इसका वास्तविक लाभ मिलेगा। जब चीन के उपकरणों और मैनपावर पर लगे निर्यात नियंत्रण को लेकर भारत की चिंताओं पर सवाल पूछा गया, तो राजदूत ने साफ किया कि चीन ने कभी ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। उलटा, उन्होंने कहा, चीनी नागरिकों को भारतीय वीजा पाने में काफी कठिनाई होती है, यहां काम कर रही चीनी कंपनियों को अनुकूल माहौल नहीं मिलता, और मीडिया में अक्सर चीनी निवेश का विरोध सुनाई देता है। राजदूत ने यह भी कहा कि दोनों देशों को आपसी विश्वास और सहयोग के साथ आगे बढ़ा चाहिए और एक-दूसरे की चिंताओं को समझते हुए समाधान की दिशा में काम करना चाहिए।

आईसीआईसीआई और यस बैंक ने दी जानकारी

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 6.7% बढ़ा

रणजीत टाइम्स

देश के निजी क्षेत्र के तीन बड़े बैंकों ने अपने नतीजे जारी किए। एचडीएफसी बैंक ने अपने सालाना मुनाफे में 6.7% की वृद्धि की जानकारी दी है। आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक के नतीजे कैसे रहे? आइए जानते हैं।

भारत के सबसे बड़े निजी बैंक ने शनिवार को अपने नतीजे जारी किए। वित्त वर्ष 25 के लिए अपने चौथी तिमाही के नतीजों का एलान करते हुए एचडीएफसी बैंक ने बताया है कि उसका लाभ 17,616 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल की तुलना में 6.7% अधिक है। इस दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) पिछले साल की तुलना में 10.3% बढ़कर 32,070 करोड़ रुपये हो गई।

आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को बताया कि मार्च तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 15.7 प्रतिशत बढ़कर 13,502 करोड़ रुपये हो गया। एकल आधार पर, निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 12,630 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 10,708 करोड़ रुपये था।

बैंक की मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 11 प्रतिशत बढ़कर 21,193 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 19,093 करोड़ रुपये थी। राजकोष को छोड़कर गैर-ब्याज आय 18.4 प्रतिशत बढ़कर 7,021 करोड़ रुपये हो गई। मार्च तिमाही में प्रावधान 891 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले समान तिमाही में यह 718 करोड़ रुपये था। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात दिसंबर 2024 के 1.96 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2025 के अंत तक 1.67 प्रतिशत हो गया। नजी क्षेत्र के ऋणदाता यस बैंक ने शनिवार को मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए। आंकड़ों के अनुसार बैंका का स्टैंडअलोन मुनाफा सालाना आधार पर 63.3% बढ़कर 738 करोड़ रुपये हो गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)